सायक m. sagitta.

सायन्त्रन (a seq. s. तन) vespertinus.

सायम् Ado. v. सायः

सायाङ m. (e साय et म्रङ्ग dies in fine comp.) vespera. H. 1.17. N.11.12.

सारू 10. P. i.g. शारू.

TIT (r. 된 s. 되) 1) n. aqua. 2) m. medulla. Am. 3) m. vis, vigor, essentia alicujus rei. H. 4.47. Br. 1.14. — In fine comp. BAH. N. 24.16. 4) Adj. eximius, egregius, optimus. NALOD. 1.24. (Cf. lat. serum.)

सारङ्ग m. dorcas, antilope; scribitur etiam ज्ञा . SAK. 4.5.

सारता f. (a सार s. ता) natura, ingenium, vis. Hir. 57.4.

सारिथ m. (e स्तरथ qui cum curru est - e स et रथ - s. इ) auriga. N.19.26.

सास्य n. (a praec. s. य) currus vel equorum moderatio, aurigatio. A.8.18. N.22.12.

सार्वत (a सार s. वत्) medullosus. TROP. fructuosus, fecundus, uber. HIT. 132.2.

सारिन in fine compp. e.c. म्रामायसारिन (ab म्रामायसार Vêdorum natura, vis, suff. इन्) Vêdorum naturam, vim habens. N.12.59.

सार्ष्ट m. (влн. е स cum et म्रप्टी q. v.) multitudo, turba, agmen, praecipue comitatus mercatorius (une caravane). N.12.111.

सार्थवाह m. (comitatum mercatorium ducens ex praec. et जाह a r. जह s. म्र, trahens, ducens) mercator. N.12.123.127.128.

सार्चम् vel सार्धम् *Praep.* (ut mihi videtur, *APT.* e स cum et म्रद्ध, म्रर्ध dimidium, v. gr. 675.) cum. c. *Instr.* In. 1. 14. H. 3. 4. 4. 7.

साल m. nomen arboris (Wils.: Shorea robusta). N. 12.4. H.2.1.

सावित्रों f. (a सवितृ vel सवित्र sol s. म्र in fem.) 1) hymnus sanctissimus Vedorum. Man. 11. 191. 2) cognomen Umae, Sivi uxoris. Sa. 1. 7. 3) regis As vapatis filia, Satyavantis uxor. Sa. 1.21. b.

साश्चर्यम् Adv. (Arr. e स et म्राश्चर्य) cum admiratione. Hrr. 99.20.

सासूयम् Ado. (Arr. e स et म्रसूया) cum objurgatione. SAK. 15.7.

साहस (a सहस् s. म्र) 1) vis, robur, perseverantia. HIT. 45.11. 2) celeritas, festinatio, properatio (v. सहसा). HIT. 100.3.

साहाट्य n. (a सहाय comes, socius s. य, v. gr. 650.) societas, auxilium. H. 4. 43.52.

H 5. et 9. p. A. सिनोमि, सिन्ने, सिनामि, सिने (बन्ध-ते) ligare, vincire. Rigv. V. 84.2.: सेत्भि: सिनीय: पापकृत: (v. Westerg.); Rigv. 112.5.: सितम् vinctum. (Lett. fsee-t ligare, fsai-te funis, vinculum; sax. vet. simo, Them. si-mon, quod ligat, restis, laqueus, vinculum; germ. vet. sai-d, sei-d laqueus, tendicula, sai-to(n) funis, fidis, chorda; sai-l laqueus; slav. sje-tj tendicula, si-lo laqueus; gr. σει-ρά, i-μάς, v. Pott I. 206. II. 174. Graff VI. 157. sq. 187.

सिंह m. (fortasse a r. हन् occidere, interficere, unde ह occidens, praef. सम्, debilitato म्र in रु; v. हिंस्र) leo.

सिंहस्कान्ध (BAH. e praec. et स्कान्ध humerus) leonis instar humeros habens. H.2.19.

सिंहाय (Denom. a सिंह, v. gr. 585.) leoni similem esse vel fieri. HIT. 106.2.: श्वा ... सिंहायते.

सिकता f. arena, sabulum, glarea. UR. 54.3. infr. SAK. 45.

सिता ए सिच्

सिच् 6. P. A. सिञ्चामि, सिञ्चे (gr. 335.) humectare, irrigare, perfundere. MAH. 1.5422.: মূর্যানম্ সম্থানি: सिषिचं; 8153.: রলম্ সার্যে सिषिचं; पाञकम्; N. 25.7.: सिता: ... राजमार्गा: Effundere, emittere. MAN. 2.181.: स्त्रप्ते सिञ्चन् ... ग्रुक्रम् . Infundere, inspergere, immittere, c.loc. MAN. 1.170.: रत: सिक्राच स्त्रयोनिञ्ज, schol. सीद्यमगिनोषु. (Cambro-brit. siciaw humectare; germ. vet. SIH colare (sîhu, seih, sihumês), seich urina, seihjan mingere; nostrum seihen, seichen.)

c. ऋभि i. q. simpl. R. Schl. I. 38.14.: समन्ततस्तु तां